Literacy for a Billion

Movie: Amar
Year: 1954

Song: Tere Sadke Balam
Lyricist: Shakeel Badayuni

तेरे सदके बलम
ना करे कोई ग़म
ये समाँ ये जहाँ
फिर कहाँ

हो तेरे सदके बलम
ना करे कोई ग़म
ये समाँ ये जहाँ
फिर कहाँ

ये समाँ ये जहाँ
फिर कहाँ

तेरे सदके बलम
ना करे कोई ग़म
ये समाँ ये जहाँ
फिर कहाँ

दिन हैं सुहाने
फिर कौन ये जाने
आए ना आए बहार

तू ग़म को पी ले
दम भर को जी ले
दुनिया का क्या एतबार
हो जी पिया
दुनिया का क्या एतबार

तेरे सदके बलम
ना करे कोई ग़म
ये समाँ ये जहाँ
फिर कहाँ

काँटों में दामन
उलझे ना साजन
फूलों में हँसकर गुज़ार

थोड़ी खुशी है
थोड़ी हँसी है
दुःख ज़िन्दगी में हज़ार

ओ जी पिया
दुःख ज़िन्दगी में हज़ार

तेरे सदके बलम
ना करे कोई ग़म
ये समाँ ये जहाँ
फिर कहाँ

नैय्या मिलन की
मौजें पवन की
कहती हैं तुझको पुकार

गाता चला चल
हँसता चला चल
जीवन की नदिया के पार
ओ जी पिया
जीवन की नदिया के पार

तेरे सदके बलम
ना करे कोई ग़म
ये समाँ ये जहाँ
फिर कहाँ

ये समाँ ये जहाँ
फिर कहाँ

तेरे सदके बलम
ना करे कोई ग़म
ये समाँ ये जहाँ
फिर कहाँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.